



RAF SECTOR

NEWS CLIP

11/04/2023



TO SERVE HUMANITY WITH SENSITIVE POLICING

Shetriya samvaddata, Phaphamau, (UP)

101 रैपिड एक्शन फोर्स ने मनाया शौर्य दिवस

फाफामऊ | क्षेत्रीय संवाददाता

1965 को पश्चिमी भारत और पाकिस्तान सीमा पर कच्छ के रण में सरदार एवं टास्क पोस्ट में तैनात केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की 02 वाहिनी की एक छोटी सी बहादुर टुकड़ी द्वारा पाकिस्तानी आर्मी की 3500 सेनाओं वाली एक विशाल ब्रिगेड को खदेड़ देने वाली घटना सैनिक युद्ध के इतिहास में अदुतिया मिसाल है। यह गाथा बहादुरी कर्तव्य और मातृ भूमि की रक्षा के लिए सर्वस्व बलिदान करने वाले बल के रिपु बल का गौरव मयी इतिहास है। इसी कारण हर वर्ष 9 अप्रैल को = शौर्य दिवस= के रूप में मनाया जाता है। वाहिनी के कमांडेंट मनोज कुमार गौतम ने परंपरागत तरीके से क्वार्टर गार्ड में सलामी ली तथा जवानों व अधिकारियों को पदक व प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर कमांडेंट ने जवानों व अधिकारियों को उनकी कर्तव्य निष्ठा के लिए प्रेरित किया और बल के गौरव शाली परम्परा को बनाए रखने का संकल्प दिलाया। अंत में उन्होंने कर्तव्य बल के बारे में समझाते हुए देश और जनहित को सर्वोपरि बताया। इस मौके पर कैम्प परिसर में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का जैसे अंतर वाहिनी वॉलीबॉल मैच, बच्चों के बीच पेंटिंग प्रतियोगिता तथा सभी मैस में बड़ा खाना का



आयोजन किया गया तथा कमांडेंट 101 आरएफ के दिशा निर्देशन में एक टीम शहीद वरुण कुमार तिवारी, ग्राम कोनाख्का, होलागढ़ प्रयागराज में परिवारजनों से मिले व उन्हें उपहार भेंट किया। इस अवसर पर प्रिमजीत कुमार (सेकंड इन कमांड), नरेन्द्र कुमार (सेकंड इन कमांड), बृजेश कुमार दुबे (उप कमांडेंट), डॉक्टर अशोक कुमार (सीएमओ) तथा अन्य अधिकारीगण, अधीनस्थ अधिकारी गड़ व जवान उपस्थित रहे।

जवानों के शौर्य को याद कर किया नमन



104 बटालियन आरएएफ में शौर्य दिवस के मौके पर जवानों को संबोधित करते कमांडेंट अजय शर्मा। साथ में जवान ● सौ. आयोजक

जासं, अलीगढ़ : 58 वर्ष पहले पाकिस्तान की सेना को खदेड़ने वाले जवानों के शौर्य को रविवार को याद किया गया। 104 बटालियन आरएएफ में शौर्य दिवस मनाया गया। शौर्य दिवस पर बटालियन के कमांडेंट अजय शर्मा ने गार्ड की सलामी ली और उन जवानों के शौर्य को नमन किया, जो 1965 में बल के नाम को ऊंचाइयों तक लेकर गए। उस समय हमारे बल में न तो अत्याधुनिक हथियार थे और न ही इतनी अच्छी व्यवस्था थी। फिर भी जवानों ने वीरता का प्रदर्शन कर जो करतब दिखाया था, वह विश्व के इतिहास में शौर्य की मिसाल बनी। कमांडेंट ने कहा कि नौ अप्रैल 1965 को भारतीय सीमा पर पाकिस्तान ने भारतीय क्षेत्र पर अपना दावा स्थापित करने के लिए भारतीय सीमा चौकियों के विरुद्ध आपरेशन 'डेजर्ट हाक' चलाया था। पश्चिमी पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय सीमा पर, रन आफ कच्छ में 'सरदार' व 'टाक' चौकियों की सुरक्षा सीआरपीएफ कर रही थी। आज के ही दिन 3:30 बजे पाकिस्तानी सेना की इन्फैंट्री ब्रिगेड ने आक्रमण कर दिया। सीआरपी के जवानों ने आक्रमण को निष्फल कर इतिहास बनाया।

रैपिड एक्शन फोर्स 83 बटालियन में शौर्य दिवस समारोह का हुआ आयोजन

■ जयपुर गुलाबी टाइम्स

आमेर। राजधानी जयपुर के आमेर लालवास स्थित 83 बटालियन द्रुत कार्य बल द्वारा कैम्प परिसर में प्रवीण कुमार भसह कमाण्डेन्ट के निर्देशन एवं नीरज मीणा उप कमाण्डेन्ट के नेतृत्व में शौर्य दिवस समारोह का आयोजन किया गया। नीरज मीणा उप कमाण्डेन्ट द्वारा बल के उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्मिकों व शहीदों को याद किया गया। साथ ही बताया कि 09 अप्रैल 1965 के दिन कच्छ के रण गुजरात में स्थित सरदार पोस्ट में सीआरपीएफ के शूरमाओं की पराक्रम की गाथा से सभी कार्मिकों को विस्तृत रूप से अवगत कराया। उन्होंने कम संख्या में रहते हुए पाकिस्तान की एक पूरी ब्रिगेड का मुकाबला किस प्रकार सुनियोजित तरीके व साहस के साथ किया। साथ ही साथ पाकिस्तान की एक ब्रिगेड को पीछे हटने को मजबूर कर दिया। जो सेना युद्ध के



इतिहास में एक अनुठा उदाहरण है तथा तब से इस दिन को पूरे भारत वर्ष में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल द्वारा शौर्य दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस मौके पर नीरज मीणा ने सभी कार्मिकों

को भविष्य में देश की रक्षा हेतु सर्वस्व निछावर करने वाली परम्परा का निर्वहन करने का संकल्प दिलाया। शौर्य दिवस समारोह के क्रम में 83 बटालियन द्रुत कार्य बल लालवास

परिसर में वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विजेता एवं उपविजेता टीमों और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पारितोषिक देकर पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर कैम्प परिसर में स्कूली बच्चों के मध्य देशभक्ति पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसमें प्रतिभागी बच्चों का मनोबल बनाये रखने के लिए पुरस्कृत किया गया शौर्य दिवस के उपलक्ष में इस वाहिनी के पूरनमल गुर्जर उप कमाण्डेन्ट के द्वारा 07 शहीद कार्मिकों के पैतृक गाँवों में जाकर उनके परिवारजनों से मिलकर शहीदों की शहादत को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रमों में नीरज मीणा, उप कमाण्डेन्ट-83 बटालियन द्रुत कार्य बल के साथ सरवर खान, उप कमाण्डेन्ट, अन्य राजपत्रित अधिकारी, अधिनस्थ अधिकारी तथा जवानों ने भाग लिया।

सी0आर0पी0एफ0 सदा अजेय, भारत माता की जय।